सोमवार

04 जुलाई 2022

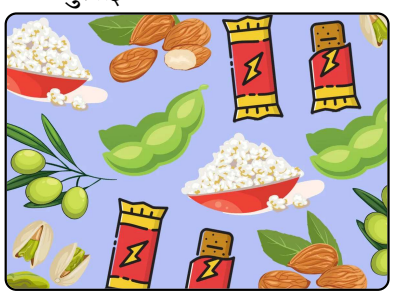

पृष्ठ 4

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए खाएं ये स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स

पृष्ठ 5

यह पहली बार है जब मैं एक श्रव्य शो कर रही हूं: अदा खान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 150
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मिठाई कारोबारी से 20 लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

हरिद्वार। मिठाई कारोबारी से बीस लाख की रंगदारी मांगने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आरोपी कुछ माह पूर्व मिठाई कारोबारी प्रणव गोयल के यहां कैशियर का काम करता था। उसका दूसरा साथी फरार हो गया जिसको पुलिस तलाश कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नन्दपुरी निवासी प्रणव गोयल की यहां आर्यनगर चौक पर गोयल स्वीट शॉप के नाम से दुकान है। प्रणव गोयल ने ज्वालापुर कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि

❑कुछ माह पूर्व कारोबारी के यहां कैशियर का काम करता था

उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया है जिसमें उससे बीस लाख रूपये की रंगदारी मांगी गयी है। उसने बताया कि मैसेज में साफ शब्दों मे धमकी दी गयी है कि अगर बीस लाख रूपये नहीं दिये तो अंजाम भुगतना पडेगा तथा रूपये कहां लाने है वह उसको बता दिया जायेगा। पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए प्रणव गोयल की सुरक्षा बडा दी तथा रेलवे चौकी प्रभारी प्रवीण रावत को मामले की जांच सौप दी। पुलिस ने मोबाइल नम्बर की जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि मोबाइल अम्बेडकर नगर ज्वालापुर निवासी दीपक चौहान पुत्र अशोक के नाम पर था। आज पुलिस ने दीपक चौहान को रविदास चौक से पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ माह पहले तक प्रणव गोयल के यहां कैशियर के पद पर कार्यरत था। कुछ माह पूर्व उसकी किसी बात को लेकर प्रणव गोयल से बहस हो गयी तो प्रणव गोयल ने उसको नौकरी से निकाल दिया। जिसके बाद उसने कनखल में

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमाला पर्वत पर स्थित भगवान श्री तिरुपति बालाजी मन्दिर में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री वेंकटेश्वर प्रभु से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शान्ति एवं कल्याण की कामना की।

एकनाथ शिंदे ने 164 विधायकों के समर्थन के साथ पास किया फ्लोर टेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने फ्लोर टेस्ट की अग्नि परीक्षा पास कर ली है। उन्हें विधानसभा में १६४ विधायकों का समर्थन मिला। वहीं बीजेपी–शिंदे सरकार के खिलाफ ९९ वोट पड़े। बहुमत पर मुहर लगते ही स्पष्ट हो गया है कि फिलहाल एकनाथ शिंदे सरकार खतरे से बाहर है। फ्लोर टेस्ट से एक दिन पहले रविवार को स्पीकर के चुनाव में भी बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट के प्रत्याशी राहुल नार्वेकर भी १६४ वोट से ही जीत हासिल की थी। वोटिंग में पूर्व सीएम अशोक चव्हाण समेत विपक्ष के ४ विधायक हिस्सा नहीं ले सके। कहा जा रहा है कि ये लोग विधानसभा में ११ बजे के तय वक्त के बाद पहुंचे और तब तक दरवाजे बंद हो चुके थे। इन विधायकों में कांग्रेस के अशोक चव्हाण, विजय वडेट्टीवार और हृष्टक्क के अन्ना बंसोडे, संग्राम जगताप शामिल हैं। उद्धव खेमे के शिवसेना विधायक संतोष बांगड़ ने शिंदे सरकार के समर्थन में वोट किया। संतोष ने आज ही उद्धव का दामन छोड़कर शिंदे गुट को ज्वाइन किया है। स्पीकर राहुल नार्वेकर ने पहले ध्वनिमत से वोटिंग का प्रयास किया था, लेकिन इस पर विपक्ष ने ऐतराज जताया था। इस पर स्पीकर ने दोनों पक्षों के विधायकों को सीट पर ही खड़ा कराया और फिर विधानसभा के कर्मचारियों ने उनके पास जाकर मत लिया और उसके आधार पर ही फैसला लिया। इस दौरान एक दिलचस्प नजारा भी विधानसभा में देखने को मिला।

देश में कोरोना संक्रमण के एक्टिव केस 1 लाख 13 हजार के पार, 24 घंटों में 16,135 केस सामने आए

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस केसों की संख्या में लगातार उतार–चढ़ाव जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार (४ जुलाई) को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटों में १६,१३५ नए केस सामने आए हैं। वहीं बीते एक दिनों में कोरोना से १३,९५८ मरीज रिकवर हुए हैं। एक दिन में कोरोना से २४ लोगों की मौत हो चुकी है। देश में फिलहाल कोरोना पॉजिटिविटी रेट ४.८५ फीसदी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या १ लाख १३ हजार ८६४ है। कल पंजीकृत सक्रिय मामले १,११,७११ थे। बीते २४ घंटों के दौरान कोरोना एक्टिव केसों की संख्या

में २,१५३ मामलों की बढ़ोतरी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि सक्रिय मामलों में कुल संक्रमण का ०.२६ प्रतिशत शामिल है। आंकड़ों के अनुसार, २८ फरवरी को कोविड के एक्टिव केसों की संख्या १,०२,६०१ थी। एक मार्च को यह घटकर ९२,४७२ रह गया। देश में अब तक कोरोना से कुल मरने वालों की संख्या ५,२५,२२३ हो गई है। भारत में कोरोना महामारी के कारण पहली मौत मार्च २०२० में हुई थी। देश में कोरोना से अब तक कुल रिकवरी ४,२८,७९,४७७ है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार कोरोना के लिए ३ जुलाई तक ८६,३९,९९,९०७ सैंपल टेस्ट किए गए हैं। वहीं बीते २४ घंटों में ३,३२,९७८ सैंपल टेस्ट किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को भारत के संचयी टीकाकरण कवरेज पर डेटा जारी किया। आंकड़ों के मुताबिक २ जुलाई २०२२ को ८ लाख से अधिक टीके की खुराक दी गई। भारत का कोरोना वैक्सीनेशन आंकड़ा कवरेज २ जुलाई तक १९७.९८ करोड़ (१,९७,९८,२१,१९७) को पार कर गया है। बीते २४ घंटों में १,७८,३८३ वैक्सीन डोज दी गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भूस्खलन की रोकथाम के उचित हो इंतजाम

पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए सड़क निर्माण व सड़कों का विस्तारीकरण होना जरूरी है। लेकिन सड़क निर्माण व सड़कों के विस्तारीकरण के लिए डायनामाइट लगाकर विस्फोट किये जाते है। जिसका खामियाजा आम जनता को मानसूनी मौसम में भुगतना पड़ता है। पहाड़ों में किये जाने वाले इन विस्फोटों के कारण दूर-दूर तक पहाड़ियां कांप उठती है और इसके चलते उनमें दरारे आ जाती है। मानसूनी मौसम की बरसात में इन दरारों में तेजी से पानी भरता चला जाता है और उसके परिणाम के रूप में पहाड़ियों दरकने लगती है। जिस कारण भूस्खलन की समस्या और भी गम्भीर हो जाती है। उत्तराखण्ड जैसे पहाड़ी राज्य में सड़कों का निर्माण जरूरी है लेकिन इस बात पर विचार करना भी जरूरी है कि बिना विस्फोट किये किस तरह से भारी चट्टानों को तोड़कर सड़क निर्माण हो सके। मानसूनी सीजन के दौरान ही राज्य में चारधाम यात्रा अपने चरम पर होती है लेकिन दिनों जगह जगह भूस्खलन के कारण कुछ समय के लिए यात्रा को रोका जाता है जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पहाड़ों में होने वाले भूस्खलन के लिए कुछ स्थान तो पहले से ही बहुत ज्यादा संवेदनशील होने की श्रेणी में आते है। यदि समय रहते इन स्थानों के लिए कोई कारगार नीति अपनाई जाये तो भूस्खलन की त्रीवता से बचा जा सकता है और यातायात भी सुरक्षित रह सकता है। मानसूनी सीजन शुरू होने से पहले आपदा प्रबन्धन विभाग द्वारा बहुत बड़े दावे किये गये थे लेकिन केदारनाथ रोड सहित राज्य के तमाम पहाड़ी क्षेत्रों के रास्तों में इन दिनों लगातार भूस्खलन हो रहा है। मानसूनी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से इन दिनों राज्य की 165 सड़के बंद होने के समाचार है। हालांकि उनको खोलने का काम जारी है। लेकिन इस भूस्खलन के चलते राज्य की जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार को चाहिए कि हर वर्ष होने वाली भूस्खलन जैसी गम्भीर समस्या का वह उचित उपाय करे ताकि जनता की परेशानियां कम हो सके।

जिला पंचायत सदस्य संगठन ग्रुप बंद

मुनस्यारी (सं)। जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि वह आज से सदन व सदन से बाहर अकेले अपने निर्णय लेंगे उन्होंन सामूहिक निर्णयों से खुद को अलग करते हुए जिला पंचायत सदस्य संगठन ग्रुप को भी बंद करने का निर्णय लिया। आज यहां एक बयान जारी करते हुए मर्तोलिया ने कहा कि आज से हम सदन तथा सदन से बाहर अकेले अपने निर्णय लेंगे। इसलिए आज जिला पंचायत सदस्य संगठन ग्रुप को भी बंद कर दिया है। भविष्य में सदस्यों की किसी भी प्रकार के सामूहिक निर्णय से अपने को पृथक रखूंगा। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जिला पंचायत सदन की जिले में अवमानना हो रही है। अधिकारियों द्वारा इस सदन में अधिकारी न आकर मुख्यालय में ही बैठक कर रहे है। उन्होंने बताया कि सदन में उठी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। इस बात को लेकर बैठक का बहिष्कार किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने इस बहिष्कार का अपने हित मे इस्तेमाल भी किया। उन्होंने कहा कि आज से वे जिला पंचायत के मामलों में अपना एकल निर्णय लेंगे। आज से वह सदन तथा सदन से बाहर अकेले अपने निर्णय लेंगे। इसलिए आज जिला पंचायत सदस्य संगठन ग्रुप को भी बंद कर दिया है। सदस्यों के सामूहिक निर्णय से अपने को अलग रखने की घोषणा भी की। कहा कि उनकी उपस्थिति को बहिष्कार के रूप में देखा जाय। जिला पंचायत सदस्यों की ताकत का अपने पक्ष में इस्तेमाल करने के लिए कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा उनका इस्तेमाल किया जा रहा है।

❑मर्तोलिया ने सामूहिक निर्णयों से खुद को किया अलग

किराये पर कार बुक करने पर ठगे 99 हजार रुपये

देहरादून (सं)। दून से दिल्ली तक जाने के लिए किराये पर कार बुक कराने पर खाते से 99 हजार रूपये उड गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यन होम दो बच्ची रोड निवासी मनमोहन सकलानी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने 22 जून को देहरादून से दिल्ली जाने के लिए सांई कार रेटल नाम की कम्पनी से उनकी वेबसाइट पर कान्टेक्ट किया गया उसके कुछ समय बाद कम्पनी की तरफ से उसको विजय शर्मा नाम के व्यक्ति का फोन आया उक्त व्यक्ति द्वारा उसे देहरादून से दिल्ली का कार का किराया 3000 रूपये बताया गया तथा बैबसाइट में डिटेल भरने को कहा गया तथा रजिस्ट्रेशन के लिए उस समय मात्र 101 रूपये देने को कहा गया तथा बाकी पेमेट यात्रा पूरी करके देने को कहा गया, उसके द्वारा कम्पनी की वेबसाइट पर 101 रूपये की पेमेंट करने के लिए डेबिट कार्ड की डिटेल डाली गई लेकिन वह पेमेंट नहीं हुई और पैमिट फेल का मैसेज आया लेकिन कुछ ही समय के बाद उसके एकाउंट से 2 बार में 99 हजार 78 रूपये कट गये। जिसके बाद उसने उक्त व्यक्ति से फोन पर सम्पर्क किया लेकिन उसका फोन नहीं मिला। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साईबर ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑपरेशन लोटस और लोकतंत्र

अजीत द्विवेदी

आमतौर पर यह माना जाता है कि 'ऑपरेशन लोटस' का जुमला भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व नरेंद्र मोदी और अमित शाह के हाथ में आने के बाद अस्तित्व में आया है। लेकिन असल में इसकी पहली चर्चा 2008 में हुई थी, जब बीएस येदियुरप्पा ने कर्नाटक में सरकार बनाई थी। राष्ट्रपति शासन के बाद उन्होंने अल्पमत सरकार की कमान संभाली थी। तब प्रायोगिक तौर पर 'ऑपरेशन लोटस' की शुरुआत हुई थी। उन्होंने एक-एक करके विपक्षी पार्टियों के विधायकों का इस्तीफा कराया था और उपचुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित करके अपनी सरकार का बहुमत बनाया था। 2014 के बाद इस फॉर्मूले का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। कई राज्यों में चुनाव हारने के बाद भी भाजपा इस फॉर्मूले के सहारे सत्ता में आई। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश और कर्नाटक तक में इसका कामयाबी से इस्तेमाल हुआ। कुछ जगहों पर यह अभियान विफल भी हुआ लेकिन इसकी सफलता का अनुपात ज्यादा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में पहले सरकार बनाने की एकमात्र शर्त यह थी कि जो पार्टी चुनाव जीतेगी, विधायकों का बहुमत हासिल करेगी वह सरकार बनाएगी। बाद में जब गठबंधन का दौर शुरू हुआ तो चुनाव पूर्व और चुनाव बाद गठबंधन होने लगे और यह नियम स्थापित हुआ कि, जिस चुनाव पूर्व या चुनाव बाद गठबंधन को बहुमत हासिल होगा वह सरकार बनाएगा। अब एक नया दौर शुरू हुआ है, जिसमें चुनाव जीत कर स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है, चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी भी सरकार नहीं बना पाती है और चुनाव पूर्व या बाद के गठबंधन वाली सरकारें भी गिर जाती हैं। यह भारतीय लोकतंत्र में 'ऑपरेशन लोटस' का काल है। तर्क के लिए कुछ लोग बताते हैं कि कांग्रेस के जमाने में भी भजनलाल ने पूरी पार्टी का विलय कांग्रेस में कर दिया था और रातों रात सरकार बदल गई थी। लेकिन वह एक आपवादिक घटना थी। उस समय दलबदल के कानून नहीं थे और इस बात का भी कोई सबूत नहीं है कि तब की कांग्रेस की केंद्र सरकार ने उस दलबदल को डिजाइन किया था।

बहरहाल, 'ऑपरेशन लोटस' के इस दौर में लोकतंत्र सिर्फ जनादेश का मोहताज नहीं है। अब सिर्फ जनता के वोट से सरकार नहीं बनती है। अब वोट की बजाय फॉर्मूलों से सरकार बनती है। सरकार बनाने के एक से ज्यादा फॉर्मूलों का आविष्कार हो गया है। हैरानी है कि अभी तक भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र के इस नए स्वरूप और सरकार बनाने के नए फॉर्मूलों का पेटेंट क्यों नहीं कराया है! बहरहाल, सरकार बनाने के हर नए फॉर्मूले में कुछ कुछ एलीमेंट्स एक जैसे हैं और उनके रिएक्शन भी समान हैं लेकिन हर बार कुछ नया एलीमेंट इसमें जोड़ा जाता है, जिससे इसकी सफलता का प्रतिशत बढ़ जाता है। अभी तक का सबसे सफल फॉर्मूला वहीं है, जिसका आविष्कार बीएस येदियुरप्पा ने किया था। यानी दूसरी पार्टियों के विधायकों का इस्तीफा करा कर उपचुनाव कराना और उनकी मदद से अपनी सरकार बनाना। यह फॉर्मूला बहुत सफलता के साथ 2019 में कर्नाटक में और 2020 में मध्य प्रदेश में अपनाया गया। कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस ने मई 2018 में हुए चुनाव के बाद गठबंधन करके सरकार बनाई थी। जुलाई 2019 में कांग्रेस और जेडीएस के कुछ विधायक बेंगलुरू से निकल कर मुंबई पहुंच गए थे, जहां उस समय भाजपा की सरकार थी। बाद में उन विधायकों ने इस्तीफा दिया, जिससे एचडी कुमारस्वामी की सरकार अल्पमत में आ गई और राज्यपाल ने भाजपा के बीएस येदियुरप्पा को शपथ दिला दी।

कर्नाटक से उलट मध्य प्रदेश में तो कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। तीन चुनावों में लगातार हारने के बाद कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में भाजपा को हराया था। उसे एक ही सीट का बहुमत मिला था लेकिन जनादेश बहुत स्पष्ट था। वहां भी कोरोना महामारी के दौरान 2020 में कर्नाटक की कहानी दोहराई गई। मध्य प्रदेश के विधायक भोपाल से निकल कर बेंगलुरू पहुंच गए थे, जहां 'ऑपरेशन लोटस' के जरिए बनी भाजपा सरकार चल रही थी। बाद की कहानी इतिहास है। कांग्रेस छोड़ने वाले सभी विधायकों ने इस्तीफा दे दिया, जिससे कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई और फिर राज्यपाल ने भाजपा के शिवराज सिंह चौहान को शपथ दिला दी, जिसमें कांग्रेस छोड़ने वाले लगभग सभी विधायकों को मंत्री बना दिया गया।

'ऑपरेशन लोटस' के इस पारंपरिक फॉर्मूले से अलग एक फॉर्मूला अरुणाचल प्रदेश में आजमाया गया था, जहां कांग्रेस के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सितंबर 2016 में पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल बना कर अपनी सरकार बनाई और तीन महीने बाद दिसंबर 2016 में 43 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इस तरह दो विधायकों वाली पार्टी भाजपा 45 विधायकों वाली सत्तारूढ़ पार्टी में बदल गई। एक तीसरा फॉर्मूला गोवा में आजमाया गया, जहां 2017 के चुनाव में 17 सीटें जीत कर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। भाजपा बुरी तरह से चुनाव हारी थी 22 सीटों से कम होकर उसके विधायकों की संख्या 12 रह गई थी। फिर भी दूसरी पार्टियों के समर्थन और तोड़-फोड़ से भाजपा से अपनी सरकार बना ली थी। उसी चुनाव में यह फॉर्मूला मणिपुर में भी सफलतापूर्वक आजमाया गया था। राजस्थान में जुलाई 2020 में 'ऑपरेशन लोटस' की कोशिश हुई थी लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जादू के आगे ऑपरेशन विफल हो गया था। महाराष्ट्र में भाजपा ने 2019 में एक बिल्कुल नया फॉर्मूला आजमाया था लेकिन कामयाबी नहीं मिली थी। उस फॉर्मूले के तहत शरद पवार के भतीजे अजित पवार को अपनी ओर मिला कर मुंह अंधेरे में राज्यपाल से देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई थी। लेकिन वह फॉर्मूला फेल हो गया था। महाराष्ट्र में कर्नाटक और मध्य प्रदेश वाला फॉर्मूला आजमाने की स्थिति नहीं है क्योंकि बड़ी संख्या में विधायकों से इस्तीफा कराना होगा और तब भी भाजपा की सरकार बनने की गारंटी नहीं होगी। इसलिए वहां अरुणाचल प्रदेश वाले फॉर्मूले पर अमल किया जा रहा है। शिव सेना से अलग एक गुट बनाया जा रहा है, जो बाद में भाजपा में शामिल हो सकता है।

अलग अलग फॉर्मूलों से सरकार बनाने के जितने प्रयोग भाजपा ने किए हैं उनमें कुछ एलीमेंट्स एक जैसे हैं। जैसे केंद्रीय एजेंसियों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई। धनबल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मलाईदार पद का लालच भी काफी काम आया और सबसे अहम राजभवनों की भूमिका रही। कुल मिला कर लोकतंत्र के सबसे जरूरी एलीमेंट यानी जनता के वोट की सबसे कम भूमिका रही। यह भी कह सकते हैं कि जनता ने तो भाजपा को हरा दिया या बहुमत से दूर रखा, लेकिन दूसरे गैर लोकतांत्रिक एलीमेंट्स के इस्तेमाल से भाजपा ने अपनी सरकार बनाई। लोकतंत्र का यह दौर बेहद चिंताजनक है। इस समय जो पार्टियां शिव सेना की दुर्दशा पर चुप हैं या मजे ले रही हैं उन्हें याद रखना चाहिए कि किसी दिन उनका भी ऐसा समय आ सकता है।

हवं त इन्द्र महिमा व्यानड्ब्रह्म यत्पासि शवसिन्नृषीणाम्।
आ यद्वज्रं दधिषे हस्त उग्र घोरः सन्क्रत्वा जनिष्ठा अषाळ्हः।

(ऋग्वेद ७-२८-२)

एक कुशल शासक अपने ज्ञान और कर्म के द्वारा विद्वानों और उनकी विद्या की रक्षा करता है और विस्तारित करता है। दूसरी और वह शासक शास्त्रास्त्र धारण करके शत्रुओं को अपने पराक्रम से पराजित करता है।

Through his intelligence and actions, an effective ruler protects and promotes scholars' knowledge. On the other hand, that brave ruler, with weapons and skills, defeats the enemies. (Rig Veda 7-28-2)

विधायक ने की सोलर लाइटों में हुई अनियमितताओं की जाँच की मांग

टिहरी (नसं)। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय द्वारा क्षेत्र में लगी सोलर लाईटों में हुई अनियिमितताओं को लेकर जिलाधिकारी टिहरी से जांच की मांग की गयी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय द्वारा जिलाधिकारी टिहरी को लिखे पत्र के अनुसार उन्होने कहा है कि मैं चुनाव परिणाम बाद लगातार गाँवों के भ्रमण पर हूँ। उन्होने कहा कि अक्षय ऊर्जा हमारे प्रधान मन्त्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में है। जिसके तहत क्षेत्र में सोलर लाइटें लगायी गयी है। उन्होने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर सोलर लाइटें काम नहीं कर रही हैं। जो कि अत्यन्त ही चिंतनीय विषय है। कहा कि अधिकतर सोलर लाइट जन प्रतिनिधियों को प्रदत्त विकास निधि से स्थापित की गयी हैं। जिससे जन प्रतिनिधियों की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होने कहा कि इस मामले में संज्ञान लेकर इस गम्भीर अनियमितताओं के प्रकरण की जाँच होना आवश्यक है। कृपया कार्यवाही की जाये।

पेंशन बहाली और नवीन पेंशन की कमियों को लेकर शिक्षक एकजुट

रुद्रपुर (आरएनएस)। पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिये ऊधमसिंह नगर जिले के शिक्षकों का सम्मेलन हुआ। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से मांग के बावजूद सरकार पुरानी पेंशन योजना की बहाली पर कार्रवाई नहीं कर रही है। इसके विरोध में आंदोलन की तैयारी पर भी चर्चा की गयी। रविवार को पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन एनएमओपीएस ऊधमसिंह नगर के नेतृत्व में नवनिर्मित शिक्षक भवन के प्रांगण में जिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें ऊधमसिंह नगर जिले से व उत्तराखंड के अन्य जिलों से काफी संख्या में शिक्षक-कर्मचारी पहुंचे। वक्ताओं ने नवीन पेंशन योजना की कमियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कहा कि बाजार आधारित यह योजना शिक्षकों के हित में नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि शिक्षक समाज का आईना होता है। शिक्षकों की पेंशन बहाली बेहद जरूरी है। सभी शिक्षक इस वक्त एकजुट हो चुका है। सरकार को मांग माननी ही होगी। जिला मंत्री एनएमओपीएस नैनीताल अमरदीप चौधरी ने कहा कि पेंशन बहाली का मामला काफी समय से चल रहा है, लेकिन सरकार ने इसका अभी तक कोई हल नहीं निकाला है। सरकार को समझना चाहिए कि पेंशन बहाली शिक्षकों के लिए कितनी जरूरी है। इस दौरान जिलाध्यक्ष मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ ऊधमसिंह नगर अजय टम्टा, एनएमओपीएस के संरक्षक हुकम सिंह नयाल, रुद्रपुर ब्लॉक एनएमओपीएस अध्यक्ष तरुण कालरा, रुद्रपुर ब्लॉक एनएमओपीएस सचिव ज्ञानेश जोशी, हरीश दनाई, डॉ. कमल भाटिया, राजीव शर्मा ब्रजकिशोर, सुमन चौहान, रेनू मलेठा, शालिनी शर्मा, पूनम वर्मा, आशा राणा बिष्ट, सीमा, भावना, सीमा नैथानी, पंकज पांडे, नरेश चंद्र, राम कुमार गंगवार, ओम प्रकाश सक्सेना, अवतार सिंह, अनूप सिंह, संदीप धीर, जीवन सिंह नेगी, पुनीत वर्मा, जाकिर अली, विरेंद्र बिष्ट, साजिद अली आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा स्वास्थ्य मंत्री को पांखू क्षेत्र की समस्या से कराया अवगत

बेरीनाग। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष पांखू निवासी दिनेश आर्या ने देहरादून में शिक्षा स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत को पत्र सौपकर बताया की पांखू में २१ग्राम पंचायत के लोगों का केंद्र है राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय पांखू का विस्तारीकरण और पांखू में जिला सहकारी बैंक की शाखा की स्थापना, राइका पांखू में मुख्य भवन का निर्माण, राइका पांखू परिसर में चारदिवारी का निर्माण, आदर्श राइका पांखू में मुख्य भवन बनाने की मांग की। मंत्री धन सिंह रावत शीघ्र मांगो पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया है।

टीएचआर का बकाया न मिलने पर गरजीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

चम्पावत (आरएनएस)। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने बीते सात महीने से टीएचआर और कुक्ड फूड का बकाया धनराशि न मिलने पर शासन के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने बैठक कर शासन से जल्द बकाया चुकाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की जिलाध्यक्ष मीना बोहरा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि करीब सात महीने से माता समिति के खातों में टीएचआर और कुक्ड फूड का एक भी रुपया नहीं आया है। उन्होंने बताया कि बाल विकास विभाग की ओर से रुपया न मिलने पर बाराकोट, लोहाघाट, पाटी और चम्पावत की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अब दुकानदार भी उनको राशन आदि देने में आनाकानी करने लगे हैं। कहा कि उनकी मांग पूरी न हुई तो वह उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगी। डीपीओ राजेन्द्र बिष्ट ने बताया कि शासन से अभी धनराशि रिलीज नहीं हुई है। इस मौके पर अनिता देवी, किरन देवी, मंजू जोशी, भागीरथी देवी, निर्मला कनौजिया, ममता जोशी, जानकी जोशी, रेनू देवी, सीता पुजारी, समिना बाने, ज्योति मेहता, कमला मेहता, गीता देवी रहीं।

मांगों को लेकर सीएम से मिलेगा उत्तराखंड विद्युत संविदा कर्मचारी संगठन

रुद्रपुर (आरएनएस)। उत्तराखंड विद्युत संविदा कर्मचारी संगठन इंटक की बैठक नगर के रामजीवनपुर में आयोजित हुई। इसमें संगठन की प्रमुख तीन मांग को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर मांग किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे पूर्व संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। रविवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अंकित कुमार ने कहा कि उनकी पहली मांग श्रम आयुक्त के आदेश का लागू कर लाभ प्रदान किया जाए। इसके अलावा ऊर्जा विशेष भत्ता एवं रात्रि पाली के भत्ते में महंगाई के अनुसार बढ़ोतरी करने और अन्य मांग हैं।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राजीव कश्यप, सत्येंद्र कुमार, नरेश कुमार, अनुज चौहान, जसवंत सिंह, नरेश शर्मा, मनोज पासी, गोविंद सिंह, मुकेश सिंह, चंद्रमोहन छाबड़ा, साबिर अली, रमेश चंद्र, महेंद्र सिंह, सोनू सिंह, फरमान आदि संविदा कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश महामंत्री जेए भोगेंद्र और संचालन प्रदेश सचिव तरुण हलदर ने किया।

जिला प्रशासन ने अवैध खनन के तीन वाहन सीज किये

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रशासन ने अवैध खनन से भरे तीन वाहन सीज कर दिये।

आज यहां जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार ने समस्त उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं अवैध परिवहन की सूचनाओं पर नियमित छापेमारी करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत उपजिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा रात्रि को विकासनगर के आस-पास अवैध खनन के परिवहन हेतु चलाये गए अभियान के दौरान 3 डम्पर अवैध खनन परिवहन एवं क्षमता से अधिक सामग्री लदे होने पाये जाने पर तीनों वाहनों को सीज कर दिया है। जिन पर करीब एक लाख पचास हजाए से अधिक धनराशि की चालन की कार्यवाही की गई है। संबंधित टीम द्वारा तीनों वाहनों को सीज करते हुए राज्य में प्रख्यापित उत्तराखण्ड उप खनिज (बालू, बजरी, बोल्डर) चुगान नीति, उत्तराखण्ड खनिज नियमावली का उल्लंघन है। वाहनों पर अर्थदण्ड की कार्यवाही गई है। जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार ने अवगत कराया है कि अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी, जिसके लिए समस्त उप जिलाधिकारियों एवं संबधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है कि वह अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवैध खनन, की सूचनाओं/शिकायतों पर छापेमारी अभियान चलाते हुए निरंतर कार्यवाही करें। छापामारी अभियान में जिला खनन अधिकारी वीरेंद्र सिंह तथा तहसीलदार विकासनगर सहित अन्य शामिल थे।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटा पत्थर डाकपत्थर निवासी आदित्य रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से यहां आया था उसने अपनी मोटरसाईकिल होटल के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं नई बस्ती रेसकोर्स निवासी संदीप राणा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा धोबी चौक पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां पहुंचा तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गांव-गांव को जोडा जायेगा सड़कों से: टम्टा

बेरीनाग (कासं)। बेरीनाग में लम्बे समय से कोटेश्वर और चचरेत के ग्रामीण सड़क की मांग कर रहे थे। जो रविवार को जाकर पूरी हो गयी है विधायक फकीर राम टम्टा ने कोटेश्वर चचरेत सड़क के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस मौके विधायक फकीर राम टम्टा ने कहा क्षेत्र के लोगों की इस सड़क की मांग बहुत दशकों पुरानी थी। जिससे सरकार के द्वारा पूरा कर दिया है इस क्षेत्र में सडक की सुविधा होने से कोटेश्वर गुफा में दर्शन को आने वाले भक्तों को सुविधा भी मिलेगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य हर गांव को सडक की सुविधा से जोडा जायेगा। जिससे गांव से दूसरे गांव को जाने में सरलता होगी और गांव से पलायन रोकने के साथ ही गांवों का विकास भी होगा। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज बिष्ट, पूर्व ब्लाक प्रमुख खुशाल भंडारी, जिला पंचायत सदस्य दीवाकर रावल,ललिता प्रसाद नागिला, विक्रम ततराडी, कैलाश कोठारी, एचसीभट्ट, यामनि भट्ट सहित आदि मौजूद थे।

बेरोजगारों की पीड़ा कम करने में नाकाम हुई सरकार: मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की नाकामी एवं अदूरदर्शिता के चलते बेरोजगारी दर 8.7 फीसदी हो गई है, अगर इन आंकड़ों की धरातल पर बात करें तो ये कहीं अधिक हैं। बेरोजगारी दर का बढ़ना बहुत ही चिंता का विषय है।

नेगी ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारों की फौज लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार ने कभी भी धरातल पर इसकी चिंता नहीं की। सरकार को अगर फिक्र है तो सिर्फ शराब व खनन कारोबारियों की। नेगी ने कहा कि प्रदेश में बंद होते उद्योगों को कैसे बचाया जाए एवं नए उद्योग कैसे स्थापित हों, कृषि बागवानी के क्षेत्र में कैसे किसानों की आर्थिकी मजबूत की जाए, सरकार ने कभी इसकी समीक्षा नहीं की। कृषि के क्षेत्र में फर्जी आंकड़े दर्शाकर राष्ट्रीय पुरस्कार जरूर हासिल किए गए, जोकि

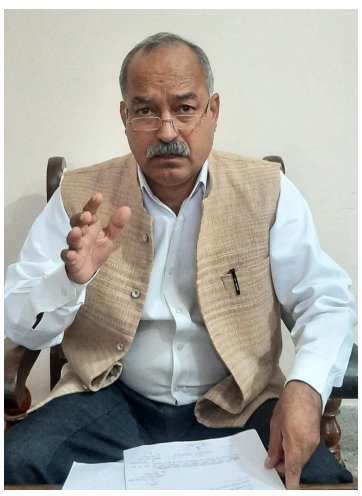

❑बेरोजगारी दर में अप्रत्याशित वृद्धि सरकार की नाकामी

शर्मसार करने के लिए काफी हैं। आज हालात यह हैं कि बाजार में मंदी के चलते उद्योगों ने उत्पादन कम कर दिया है तथा मांग कम होने की वजह से काम करने वाले श्रमिकों को निकालने का बहाना ढूंढा जा रहा है तथा उस काम में असफल होने पर उनका अन्यत्र बहुत दूर स्थानांतरण कर दिया जाता है, मजबूरन श्रमिक को नौकरी छोड़नी पड़ती है। आए दिन अधिकांश उद्योगों के बाहर बेरोजगार युवाओं की भीड़ में से कुछ युवाओं को काम की आवश्यकता के हिसाब से काम पर दिहाड़ी- मजदूरी के तौर पर रखा जाता है, अगले दिन उसकी किस्मत है कि दिहाड़ी लग जाए। नेगी ने कहा कि प्रदेश के उच्च शिक्षित व डिप्लोमाश डिग्रीधारी बेरोजगार युवक 5-7 हजार की नौकरी के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन सरकार के पास कोई एक्शन प्लान नहीं है। नेगी ने कहा कि सरकार ने कभी लघु उद्योगों एवं छोटे व्यवसायियों के हित में चिंतन नहीं किया, जिसका नतीजा यह हुआ कि इनका धैर्य भी जवाब दे गया है।

महिलाओं को लुभा रही ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी, बनाती है लुक को और भी खास

इस ट्रेंडी जमाने में हर कोई आकर्षक दिखना चाहता है लिहाजा अपनी पर्सनालिटी को निखारने के लिए सलेक्शन भी कुछ खास होना चाहिए। बात ट्रेडिशनल वियर की हो या फिर ऑफिस वियर अथवा वेस्टर्न आउटफिट की ज्वेलरी भी कुछ हटकर होनी चाहिए। यही वजह है कि अब डिमांड में ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी है। बाजार में जाते ही इस पर से निगाहें हटती ही नहीं। वह कानों के झुमके हों या गले का हार अथवा ब्रेसलेट उस एंटीक सिल्वर के ही नजर आएंगे। इसके साथ ही नोज पिन भी ट्रेंड में है जो आपके लुक को और भी खास बना देती है। इस ज्वेलरी का क्रेज जितना ज्यादा है उतनी ही ये किफायती भी है। यही कारण है कि ये ज्वेलरी ट्रेंड में रहने के साथ-साथ गर्ल्स और महिलाओं को काफी लुभा रही है।

ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी का लुक हालांकि ट्रेडिशनल ज्वैलरी से मिलता है लेकिन यह नए जमाने की पसंद है। लड़कियों में इसका क्रेज लगातार बढ़ रहा है। ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी को सिल्वर में मैटल मिलाकर स्टर्लिंग ज्वेलरी से बनाया जाता है। यह ज्वैलरी बोल्ड शाइन लुक में होती हैं जो न तो ज्यादा चमकदार होती हैं और न ही ज्यादा फीकी लगती है। बता दें कि ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी के बड़े पेन्डेंट वाले नेकपीसए नोज पिन और हावी झुमके इन दिनों आम लड़कियों के साथ साथ बॉलीवुड एक्ट्रेसेज में काफी लोकप्रिय बनते जा रहे है।

गोल्ड और सिल्वर की बात करें तो अकसर गर्ल्स और महिलाएं इन्हें वेस्टर्न ड्रेस के साथ कैरी करने में हिचकिचाती है। गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी को सिर्फ ट्रेडिशनल के साथ ही पहना जा सकता है। लेकिन ऑक्सिडाइज्ड जूलरी के साथ आपको ये सब सोचने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इन्हें वेस्टर्न और ट्रेडिशनल दोनों आउटफिट्स के साथ पहना जा सकता है। ये जूलरी आपको किसी भी ड्रेस के साथ पहनने पर ग्लैमरस लुक देती है। साथ ही डार्क और चमकते रंगों के स्टोन के साथ बने डिजाइन और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगते है। जो आपको एक अलग और अट्रैक्टिव लुक दे सकती है।

ऑक्सीडाइज्ड जूलरी के आगे गोल्ड और सिल्वर की चमक फीकी पड़ती जा रहे हैए अक्सर लेडीज को को वहीँ चीजे पसंद आती है जोए दिखने में यूनिक हो। यही कारण है कि महिलाओं के साथ-साथ लड़कियों की लिस्ट में भी ऑक्सीडाइजड जूलरी उनकी पहली पसंद बन चुकी है। इन जूलरी में स्टोन वर्कए बारीक नक्काशी में लाखों डिजाइन आजकल लेडीज की पसंद बने हुए है।

कभी ऐसे न करें विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल वरना खराब हो जाएगा चेहरा

हर महिला, हर लड़की की ख्वाहिश होती है कि उसकी स्किन ग्लोइंग दिखे और वह लंबे समय तक जवान दिखती रहे। जी हाँ और इसके लिए अधिकतर महिलाएं स्किन केयर रूटीन फॉलो करती हैं। कई लडकियां और महिलाएं बाजार में मिलने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें काफी हद तक केमिकल्स से बनाया जाता है। इनकी तरफ से बेहतर निखार और शाइनी स्किन के लिए दावा किया जाता है, हालाँकि वह सब कुछ समय के लिए ही होता है। इस लिस्ट में विटामिन ई कैप्सूल भी शामिल है जिसे लोग लगाते हैं लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं इसे कैसे भूलकर भी इस्तेमाल नहीं करना है।

कई लोग विटामिन ई कैप्सूल को सीधे चेहरे पर लगाने की गलती कर देते हैं। हालाँकि ऑयली स्किन वालों को ये तरीका बिल्कुल नहीं अपनाना चाहिए। जी दरअसल स्किन स्पेशलिस्ट के मुताबिक ऐसा करने से स्किन पर पिंपल्स निकल सकते हैं। आप इसे स्किन टाइप के हिसाब से दूसरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मिलाकर लगा सकते हैं।

विटामिन ई कैप्सूल को कई चीजों के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है, हालाँकि एलोवेरा जेल और इससे बेस्ट रिजल्ट पाए जा सकते हैं। इसके लिए आप इन दोनों इंग्रेडिएंट्स को लगाएं, लेकिन इसे ज्यादा देर तक स्किन पर लगाए न रखें। इससे स्किन पर कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जिसमें ड्राईनेस का होना आम बात है।

कई लोग फेस पैक के जरिए ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इसमें विटामिन ई कैप्सूल जरूरत से ज्यादा मिला देते हैं। हालाँकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक एक बार के फेस पैक में एक कैप्सूल काफी होती है। लेकिन हां अगर आप बालों में इसका यूज कर रही हैं, तो दो कैप्सूल काम में ले सकती हैं।

गर्म करने की भूल- स्किन या हेयर केयर में किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट अच्छा नहीं माना जाता है। हालाँकि विटामिन ई कैप्सूल को गर्म करके लगाने से स्किन पर पिंपल्स या रैशेज की दिक्कत हो सकती है। ऐसा न करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए खाएं ये स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए अमूमन लोग अनहेल्दी चीजें का सेवन कर लेते हैं, जिसका खामियाजा उनके स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। दरअसल, बाजार में मिलने वाले अधिकतर पैकेट बंद स्नैक्स में चीनी और नमक की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हल्की-फुल्की भूख को शांत करने समेत स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन हैं।

पॉपकॉर्न

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए कई लोगों के दिमाग में सबसे पहले आलू के चिप्स खाने का विचार आता है, जो बेशक बहुत स्वादिष्ट लगते हैं लेकिन इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए लिहाज से सही नहीं माना जाता है। ऐसे में बेहतर होगा अगर आप चिप्स या कुरकुरे खाने की बजाय पॉपकॉर्न खाएं जो स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। आप इन्हें नमक और मक्खन के साथ भी खा सकते हैं।

सूखे मेवे

अगर आप अपनी हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए स्वास्थ्यवर्धक विकल्प की खोज कर रहे हैं तो सूखे मेवे आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं क्योंकि यह आपको स्नैक्स खाने जैसा अहसास दे सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने घर में कुछ सूखे मेवे जैसे कि बादाम, मखाने और पिस्ता आदि रखें। यह खाने में भी स्वादिष्ट लगते हैं और आपके शरीर को कई पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं।

भुने हुए काले चने

अगर आपको बार-बार कुछ न कुछ खाने की आदत है तो अपने पास हमेशा एक डिब्बा भुने हुए चने का रखना शुरू कर दें और खाएं क्योंकि यह आपकी भूख को शांत करने के साथ-साथ आपको ऊर्जावान रखने में भी सहायता करेगा। इतना ही नहीं, यह फाइबर से भरपूर और कम कैलोरी से युक्त होता है, इसलिए ये आपके पेट को भी भरेगा और वजन को भी नहीं बढ़ने देगा। फाइबर के कारण पेट लंबे समय तक भरा रहता है।

विटामिन- सी और आयरन से भरपूर फल

चकोतरा, संतरा, सेब और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों का सेवन करके भी अपनी हल्की-फुल्की भूख को शांत कर सकते हैं क्योंकि इन फलों के सेवन से न केवल आपका पेट भरेगा बल्कि कई बीमारियां भी शरीर से दूरी बनाएं रखेंगी। दरअसल, विटामिन- सी से युक्त फल रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से बचाए रखती है। वहीं, आयरन से युक्त फल आपको अंदर से शक्ति देंगे और मूड बेहतर रखेंगे।

गर्मी में संतरे का जूस पीने से सेहत में होने वाले फायदों के बारे में जानिए

गर्मी के मौसम में स्वस्थ और सेहतमंद रहने के लिए आप संतरे का सेवन करे संतरे खाना ज्यादातर लोगो को पसंद है ये काफी टेस्टी और पौष्टिक होते है इनका सेवन करने से शरीर से जुडी कई समस्या दूर होती है संतरे में कई पोषक तत्व पाए जाते है इसमें विटामिन,आयरन ,कैल्शियम मौजूद होता है इसे खाने से शरीर में अलग अलग लाभ होते है इस मौसम में आप संतरे का जूस का सेवन करे इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती है तो चलिए जानते है संतरे का जूस पिने से होने वाले इन फायदों के बारे में

संतरे का जूस पीने से सेहत में कई लाभ होते है इसमें विटामिन ज्यादा पाया जाता है और एंटीऑक्सीडेंट तत्व मौजूद है ऐसे में इसका सेवन करने से त्वचा की चमक बढ़ती है इससे त्वचा से जुडी समस्या दूर होती है और चेहरे पर दाग धब्बे दूर होते है और संतरे का जूस पीने से शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है इससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।

जिन लोगो हार्ट से जुडी समस्या रहती है उन लोगो को संतरे का जूस पीना चाहिए संतरे का जूस पिने से दिल स्वस्थ रहता है इससे दिल से जुडी समस्या दूर होती है अगर आपका वजन बढ़ गया है तो ऐसे में आप संतरे के जूस का सेवन करे इससे वजन जल्दी कम होता है और शरीर में होने वाली सूजन से आराम मिलता है।

शब्द सामर्थ्य -80

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

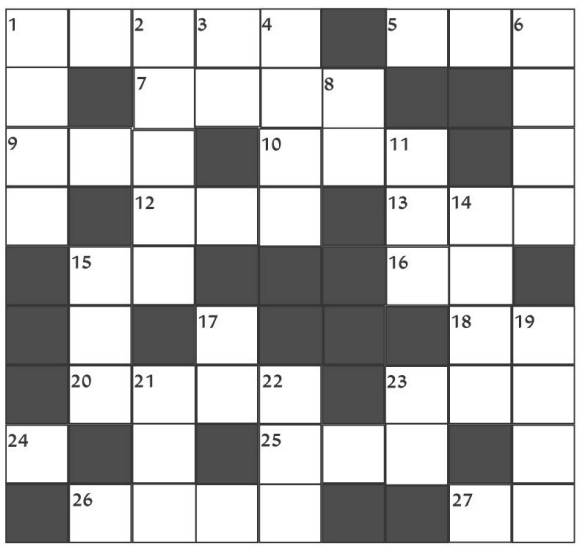

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 79 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

म्यूजिक वीडियो द कश्मीर सॉन्ग-खून के आंसू में नजर आएंगे कोविद मित्तल

पहले आवारा हूं और लबों से बारिश में नजर आ चुके अभिनेता कोविद मित्तल आगामी म्यूजिक वीडियो द कश्मीर सॉन्ग- खून के आंसू में काम करने को लेकर उत्साहित हैं। इसे गायक और संगीतकार वीर समर्थ ने गाया है और कृष जोशी द्वारा निर्देशित है। कोविद कहते हैं, मुझे यकीन है कि यह गीत कहानी कहने के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगा और दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाएगा। दर्शकों के लिए 1990 में कश्मीर घाटी में हुए अविस्मरणीय पलों को फिर से जीना एक नया अनुभव होगा। वह आगे कहते हैं, यह एक संगीतमय कहानी है जो दर्शकों के लिए पहली बार दिल को छू लेने वाले अनुभव के रूप में काम करेगी और उस समय कश्मीर के निवासियों के संघर्ष और दर्द की कहानियों के करीब पहुंच जाएगी। लगभग छह मिनट के वीडियो गीत और द कश्मीर सॉन्ग की टीम ने पूरी घटना को कलात्मक रूप से दिखाया है। हमारा विचार संगीत कला में हुए अत्याचार को दिखाना था और इसे एक गीत के माध्यम से व्यक्त करना था। मित्तल को मेरी जन्नत, बंद आंखें, तन्हा जैसे गानों में अभिनय के लिए भी जाना जाता है, उनका मानना है कि यह गाना उनके दर्शकों को भरपूर प्रतिक्रिया देगा। वह आगे कहते हैं, यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो 25 साल बाद कश्मीर में घर लौटता है, जहां उसने अपना बचपन बिताया था। उस घाटी में लौटने की लालसा जो उसके शरीर के एक हिस्से की तरह हमेशा उसके साथ रही। वह कोई अपवाद नहीं है। वह सदमा जो उस दौर में बेघर हुए लोगों के मन में आज भी कायम है। यह कोई रन-ऑफ-द-मिल गीत नहीं है, इसलिए मुझे लोगों से बहुत उम्मीदें हैं कि वे इस पर बहुत अधिक पुष्टि के साथ प्रतिक्रिया देंगे।

सलमान खान की स्टारर फिल्म में हो सकता है राम चरण का कैमियो

सलमान खान इन दिनों पूजा हेगड़े और वेंकटेश के साथ फिल्म कभी ईद कभी दीवाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी हुई है। इस बार फिर से फिल्म ने चर्चा में अपनी जगह बना ली है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता राम चरण भी फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म का फैंस कब से इंतजार कर रहे हैं ऐसे में फिल्ममेकर्स एक बाद एक घोषणा के बार लोगों को और उत्साहित कर रहें है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रामचरण दबंग खान की फिल्म में कैमियो कर सकते हैं. बताया जा रहा है कि रामचरण फिल्म सलमान खान के साथ एक गाने में नजर आएंगे। इस गाने में साउथ एक्टर वेकटेंश भी नजर आएंगे। रिपोर्ट की मानें तो रामचरण इसपर राजी हो गये हैं। बता दें, सलमान खान फिल्म के शूट के लिए हैदराबाद में हैं और इस गाने की शूटिंग के बाद मुंबई लौट जाएंगे।

इसी बीच फिल्म के नए टाइटल का खुलासा किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तस्वीर का नाम भाईजान होगा, जो कि असली टाइटल था।बता दें, फिल्म कभी ईद कभी दिवाली इस साल 30 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म सलमान खान के बर्थडे (27 दिसंबर) के मौके पर रिलीज होगी। सलमान ने फैंस को बर्थडे पर तोहफा देने का पूरा प्लान कर लिया है। इस बीच, उनके अलावा जस्सी गिल, शहनाज़ गिल, पलक तिवारी, राघव जुयाल और सिद्धार्थ निगम फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शमशेरा से संजय दत्त का खतरनाक लुक रिलीज, लोगों को याद आए पुराने विलेन

फिल्म ब्रह्मास्त्र की अनाउंसमेंट के बाद रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा की अनाउंसमेंट हो चुकी है. फिल्म के टीजर रिलीज के बाद आज संजय दत्त का लुक पोस्टर रिलीज हुआ है. फिल्म के पोस्टर में संजय दत्त का दमदार लुक नजर आ रहा है. फिल्म में संजय दत्त क्रूर दरोगा शुद्ध सिंह का किरदार निभा रहे हैं और किरदार की क्रूरता उनके चेहरे पर भी झलक रही है. फिल्म के पोस्टर में संजय दत्त को देखकर कर ही लग रहा है कि वो कितने खतरनाक विलेन बने हैं.

फिल्म से शुद्ध सिंह के किरदार का लुक पोस्टर शेयर करते हुए संजय दत्त ने लिखा, मिलिए दरोगा शुद्ध सिंह से. कल इसे शमशेरा के ट्रेलर में देखें. वाईआरएफ के 50 साल का जश्न अपनी करीबी सिनेमाघरों में मनाएं. रणबीर कपूर और संजय दत्त स्टारर फिल्म शमशेरा 22 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. संजय दत्त का पोस्टर देख सोशल मीडिया पर लोग अमरीश पुरी और डैनी डेंजोगपा को याद करते हुए कह रहे हैं कि संजय दत्त को देखकर वैसा ही फील आ रहा है. फिल्म के पोस्टर के साथ बताया गया है कि इसका ट्रेलर कल यानी 24 जून को रिलीज होगा. पीरियड ड्रामा एक्शन फिल्म शमशेरा को करण मल्होत्रा ने डायरेक्ट किया है. संजय दत्त के पास आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट हैं.

यह पहली बार है जब मैं एक श्रव्य शो कर रही हूं: अदा खान

अभिनेत्री अदा खान, ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की और बाद में 'नागिन' और 'खतरों के खिलाड़ी' से प्रसिद्धि पाई। उन्होंने हाल ही में 'हैलो जानू' नामक एक ऑडियो शो किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को करने के अपने अनुभव और इसके लिए उन्होंने कैसे तैयारी की, इसके बारे में अपना अनुभव साझा किया है। अदा एक विवाहित महिला वैदेही का किरदार निभा रही हैं, जो अपने जीवन में समस्याओं का सामना कर रही है। बाद में, वह एक कॉल सेंटर में काम करना शुरू कर देती है और उसके पेशेवर और निजी जीवन में चीजें बदल जाती हैं। 'हैलो जानू' चार विवाहित महिलाओं के बारे में एक ऑडियो शो है जो गुप्त रूप से कॉल सेंटर में काम कर रही हैं, जिसे 'हैलो जानू' कहा जाता है और इसे गुरप्रीत आंटी द्वारा चलाया जाता है। गुरप्रीत का किरदार अभिनेत्री सुप्रिया शुक्ला द्वारा निभाया गया है। इसको लेकर अदा कहती है, यह पहली बार है जब मैं एक श्रव्य शो कर रही हूं। मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया है। मैं अपनी आवाज भी दे रहा थी और मैं अभिनय भी कर रहा थी और जो मजेदार था। मेरे लिए, यह बहुत अलग था लेकिन मैंने बहुत अच्छा समय बिताया और निश्चित रूप से बहुत कुछ सीखा। इस ऑडियो शो के लिए उसने खुद को कैसे तैयार किया, इस पर वह जवाब देती है, जब हम वॉयसओवर दे रहे थे और जब हम स्टूडियो में थे, तब हमारे आसपास हमारे क्रिएटिव थे और बहुत सारे वॉयस मॉड्यूलेशन करने थे। जब आप कुछ ऐसा कर रहे हों लोग नहीं देख सकते हैं, आपको इसे अपनी आवाज के माध्यम से करना होगा इसलिए, यहां तक कि छोटी से छोटी अभिव्यक्ति या केवल एक सांस या एक श्वास, इसे आपकी आवाज के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए, जो बहुत महत्वपूर्ण है।वहां हमारी टीम थी जो सुन रही थी और सुधार कर रही थी, इसलिए जैसा कि मैंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा। इसके लिए बहुत मेहनत की आवश्यकता थी क्योंकि मैं अपनी आवाज के साथ बहुत खेल रही था। यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। और, निश्चित रूप से शहद और अदरक के साथ बहुत सारे गर्म पानी ने मेरी आवाज को ठीक रखने में मेरी बहुत मदद की। जब हम लंबे समय तक रिकॉर्डिंग भी कर रहे थे।

अदा आगे कहती हैं कि, दर्शक खासकर महिलाएं शो से जुड़ेंगी क्योंकि यह चार महिला पात्रों और जीवन में उनकी समस्याओं की कहानी है।

अपनी भविष्य की परियोजनाओं पर, वह कहती है, मैंने हंगामा प्ले के लिए कुछ ओटीटी शो किए हैं, जो जल्द ही आने वाले हैं। और निश्चित रूप से, अब तक, मैं ऑडिबल शो के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, जो मेरी पहली कोशिश है। मैं दर्शकों से प्रतिक्रिया के लिए बहुत उत्साहित हूं।

लाल सिंह चड्ढा के साथ पर्दे पर टकराएगी अक्षय की रक्षाबंधन

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। हर साल उनकी कई फिल्में रिलीज होती हैं। बीते दिनों वह सम्राट पृथ्वीराज को लेकर चर्चा में रहे। अब उनकी अगली फिल्म रक्षाबंधन की रिलीज डेट घोषित कर दी गई है। अक्षय ने एक टीजर शेयर करते हुए इस तारीख की घोषणा की। यह फिल्म इस साल रक्षाबंधन यानी कि 11 अगस्त को आएगी। आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा भी इसी दिन रिलीज हो रही है।

रक्षाबंधन फिल्ममेकर आनंद एल राय की फिल्म है। यह भाई-बहन की कहानी पर आधारित एक कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म में अक्षय के साथ अभिनेत्री भूमि पेडनेकर दिखाई देंगी। यह अक्षय और भूमि की साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों टॉयलेट-एक प्रेमकथा में साथ दिखाई दिए थे। पिछले साल अक्टूबर में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हुई थी। पहले यह फिल्म नवंबर 2021 में रिलीज होने वाली थी।

रक्षाबंधन के मौके पर पर्दे पर दो बड़ी फिल्में टकराएंगी। अक्षय की फिल्म के अलावा लाल सिंह चड्ढा भी इस दिन रिलीज हो रही है। आमिर की इस फिल्म में करीना कपूर और मोना सिंह नजर आएंगी। यह फिल्म पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी। केजीएफ 2 से क्लैश के कारण इस फिल्म टालने का फैसला लिया गया। आमिर की यह फिल्म 1994 की हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की आधिकारिक रीमेक है।

खबर है कि अक्षय रक्षाबंधन के लिए बड़े स्तर पर प्रमोशन करने की योजना बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार यह सम्राट पृथ्वीराज की विफलता का असर है। इस साल अक्षय की अब तक दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। सम्राट पृथ्वीराज से पहले मार्च में उनकी फिल्म बच्चन पांडे आई थी। हालांकि, दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर गिर गईं। अक्षय रक्षाबंधन के बाद, रामसेतु, मिशन सिंड्रेला, ओएमजी 2 जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान और करीना कपूर करीब 13 साल बाद साथ में नजर आएंगे। यह दूसरा मौका है जब दोनों एकसाथ पर्दे पर दिखेंगे। इससे पहले वे 2009 में 3 इडियट्स में नजर आए थे।

जेनेलिया छह सप्ताह की फिटनेस यात्रा शुरू करने के लिए तैयार

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख छह सप्ताह की लंबी फिटनेस यात्रा पर जा रही हैं और उन्होंने कहा कि ये आने वाले सप्ताह उनकी दिनचर्या पर नियंत्रण रखने और कम से कम एक घंटा खुद पर बिताने के बारे में है। अपनी कार्य योजना के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री कहती हैं, स्वस्थ होने का मतलब है खुद को जानना और अपने समस्या क्षेत्रों पर काम करना। ये छह सप्ताह मेरी दिनचर्या पर नियंत्रण रखने और कम से कम एक घंटे खुद पर खर्च करने के बारे में है।

अभिनेत्री ने कहा, एक मां के रूप में, मुझे लगता है कि उस समय और खुद को ध्यान देना वाकई महत्वपूर्ण है।मुझे लगता है कि मैं यात्रा में दिखाई देने वाली सभी बाधाओं को आगे बढ़ाना चाहता हूं और न केवल फिटनेस को ग्लैमराइज करना या

इसे किसी विशेष आकार या आकार तक सीमित करना चाहता हूं बल्कि इसे स्वयं के लिए और प्रक्रिया के माध्यम से स्वयं को फिर से खोजना चाहता हूं चाहे वह हो ताकत, रूप, लगन या कड़ी मेहनत के जरिए।

अभिनेत्री आगे कहती है, मैं अक्सर अपने बच्चों से कहती हूं कि वे अपना खुद का बेंचमार्क सेट करें, और अपनी खुद की प्रतिस्पर्धा बनाएं, इसलिए यह उचित समय है कि मैं इसका पालन करना शुरू कर दूं। यह देखने के लिए बहुत उत्साहित और उत्सुक है कि यह कैसा चल रहा है!

सरकार क्यों विरोध की परवाह करे ?

अजीत द्विवेदी

देश भर के युवा आंदोलित हैं और उपद्रव कर रहे हैं। दूसरी ओर इन आंदोलनों के बीच सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना की अधिसूचना जारी होने लगी है। सरकार व सेना ने इस योजना की बारीकियों को और स्पष्ट कर दिया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि यह योजना आ गई है तो रहेगी और अब सेना की सारी भर्ती इस योजना के तहत ही होगी। यानी 17 साल तक की भर्ती की नियमित योजना को लोग भूल जाएं। तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि अब नियमित भर्ती नहीं होगी। तीनों सैन्य अधिकारियों ने यह भी कहा कि अग्निपथ योजना के विरोध में हिंसक आंदोलन करने वालों को सेना में जगह नहीं मिलेगी। उन्हें शपथपत्र देना होगा कि वे आंदोलन में शामिल नहीं थे। पुलिस रिपोर्ट से इसको वेरिफाई किया जाएगा। यह भी कहा गया है कि कोरोना से पहले जिन लोगों ने भर्ती रैली में हिस्सा लिया था, उसमें चुने गए थे और जिनका मेडिकल टेस्ट हो गया था उन्हें भी कोई राहत नहीं मिलेगी। उनको भी फिर से अग्निवीर बनने के लिए प्रतियोगिता में शामिल होना होगा।

सबसे बड़ी बात पूर्व सेना प्रमुख और केंद्र सरकार के मंत्री जनरल वीके सिंह ने कही। उन्होंने आंदोलन कर रहे युवाओं के प्रति हिकारत का भाव दिखाते हुए कहा कि 'यह स्वैच्छिक योजना है, जिसे आना है आए। आपको कौन बुला रहा है'। उनके कहने का मतलब था कि, जिसको यह योजना पसंद नहीं आ रही है वह दूसरा काम करे, उसके ऊपर कोई जबरदस्ती नहीं है कि वह सेना में भर्ती हो। इस बयान में दो बड़े विरोधाभास हैं, जिनमें से एक की ओर तो सभी लोग इशारा कर रहे हैं। वह ये है कि खुद जनरल वीके सिंह 62 साल तक नौकरी करने और फोर स्टार जनरल रह चुकने के बावजूद एक साल नौकरी बढ़वाने के लिए सेना और सरकार को अदालत तक ले गए थे और अब भी सेना की पेंशन व सांसद का वेतन ले रहे हैं। वे कैसे बिना पेंशन वाली चार साल की नौकरी की तरफदारी कर सकते हैं? दूसरा बड़ा विरोधाभास यह है कि अग्निपथ योजना का बचाव कर रहे कई जानकार इसे अनिवार्य सैन्य सेवा या अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण की दिशा में उठाया गया कदम बता रहे हैं, जबकि जनरल वीके सिंह की बात से लग रहा है कि ऐसी बात नहीं है।

बहरहाल, बड़ा सवाल यह है कि इस योजना के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों और हिंसा को सरकार गंभीरता से क्यों नहीं ले रही है या इसकी परवाह क्यों नहीं कर रही है? क्यों इतने जबरदस्त विरोध के बावजूद सरकार ने दो टूक अंदाज में कहा कि योजना जारी रहेगी और उलटे प्रदर्शनकारियों को धमकाया कि उन्हें सेना में नौकरी नहीं मिलेगी? क्या सरकार यह मान रही है कि इस तरह के हिंसक आंदोलन ज्यादा लंबे समय तक नहीं चलते हैं और उनका असर भी ज्यादा नहीं होता है? या सरकार इस भरोसे में है कि चाहे कितना भी आंदोलन हो उसका राजनीतिक नुकसान नहीं होना है इसलिए उसकी परवाह करने की जरूरत नहीं है? इस मामले में सरकार का आकलन सही है। किसी भी हिंसक आंदोलन को लंबे समय तक चलाए रखना और दिशाहीन होने से बचाना मुश्किल होता है। याद करें इससे पहले के सबसे बड़े और हिंसक आंदोलन को। वह आंदोलन मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के विरोध में हुआ था। तब पूरा देश जल रहा था।

राजधानी दिल्ली की सड़कों पर युवा आत्मदाह कर रहे थे। लेकिन अंत नतीजा क्या निकला? मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई। अलग झारखंड और उत्तराखंड राज्य के लिए भी हिंसक आंदोलन हुए थे लेकिन नया राज्य तभी बना, जब हिंसा समाप्त हो गई और राजनीतिक पहल हुई। सो, हिंसक प्रदर्शन और आंदोलन कर रहे युवाओं को भी समझना होगा कि हिंसा की बजाय अहिंसक प्रतिरोध का रास्ता ज्यादा उपयुक्त है।

अग्निपथ योजना के विरोध में चल रहे आंदोलन से उत्साहित कुछ विपक्षी नेताओं और सोशल मीडिया के योद्धाओं को लग रहा है कि जिस तरह से किसान आंदोलन की वजह से सरकार ने कृषि कानूनों को वापस लिया उसी तरह अग्निपथ योजना भी वापस होगी। हो सकता है कि वापस हो भी जाए लेकिन उससे युवाओं को क्या फायदा होगा और दूसरे उससे सरकार की सेहत पर क्या फर्क पड़ेगा? कृषि कानून वापस हो गए लेकिन उससे किसानों को क्या फायदा हुआ है? क्या सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी दी है? आंदोलन खत्म हुए सात महीने से ज्यादा हो गए और अभी तक इस पर विचार के लिए कमेटी भी नहीं बनी है।

यानी सरकार ने अपना वादा नहीं निभाया है, तो किसानों ने सरकार का क्या कर लिया? सरकार की राजनीतिक पूंजी को क्या नुकसान हुआ है? क्या किसानों ने एकजुट होकर और समाज ने उनके साथ खड़े होकर चुनावों में भाजपा को हरा दिया? किसान आंदोलन के तुरंत बाद पांच राज्यों में चुनाव हुए, जिनमें से चार राज्यों में भाजपा बड़े शान से जीती। एक राज्य, जहां हारी वहां पहले भी भाजपा के पास कुछ नहीं था।

सोचें, उतने बड़े आंदोलन के बावजूद अगर भाजपा को राजनीतिक नुकसान नहीं हुआ तो फिर वह किसी भी आंदोलन की परवाह क्यों करेगी? उसे पता है कि उसने देश के नागरिकों को जिस राजनीतिक विमर्श के दुष्चक्र में डाल दिया है वहां से वे नहीं निकल सकते हैं। एक बड़े तबके के लिए अपने निजी हित से ज्यादा अहम हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा है, मंदिर-मस्जिद का मुद्दा है, हिजाब और हलाल मीट का मुद्दा है, अली और बजरंग बली का मुद्दा है, श्मशान और कब्रिस्तान का मुद्दा है! असल में देश के हर नागरिक की कई कई अस्मिताएं होती हैं। जब किसान आंदोलन कर रहे थे तब वे किसान थे, लेकिन जैसे ही आंदोलन खत्म करके घर लौटे वैसे ही वे जातियों और समुदायों में बंट गए। उसी तरह अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी युवाओं का समूह हैं लेकिन आंदोलन के बाद उनकी अस्मिताएं बदल जाएंगी। वे जाति और धर्म में बंट जाएंगे। फिर उनका एजेंडा दूसरा होगा। भाजपा को पता है कि वक्ती तौर पर युवा या किसान चाहे कुछ भी कहें अंत में वे हिंदू अस्मिता से ही निर्देशित होंगे।

इसलिए इस योजना या उस योजना के विरोध से थोड़े समय की सुर्खियों के अलावा कुछ खास हासिल नहीं होगा। निर्णायक विजय के लिए धार्मिक अस्मिता के गढ़े गए प्रतिमानों को ध्वस्त करना होगा। ट्रेन का इंजन और बोगियां जलाने से कुछ नहीं होगा, दिल और दिमाग में सांप्रदायिक नफरत का जो राक्षस पैदा किया गया है उसे जलाना होगा। अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवा अगर सोच रहे हैं कि ट्रेन जलाने से सरकार घबरा जाएगी तो वे गलतफहमी में हैं क्योंकि सरकार तो चाहती है उनको हिंसक बनाना। आज वे ट्रेन जलाएंगे तभी तो कल किसी का घर, दुकान जला पाएंगे! इसलिए किसान हों या युवा हों उनको विभाजन बढ़ाने वाले धार्मिक विमर्श को समाप्त करना होगा तभी देश की राजनीति सामान्य हो पाएगी और तभी किसी भी मसले पर तार्किक व वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार हो पाएगा।

सू- दोकू क्र.80

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.79 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

जनता आगे, पार्टियां पीछे

इस अनुभव के आधार पर यह साफ कहा जा सकता है कि जनता के रोजमर्रा के संघर्षों से राजनीतिक दलों का अब कोई नाता नहीं बचा है। पक्ष हो या विपक्ष- जनता के रोजमर्रा के संघर्षों की कसौटी पर वे अप्रसांगिक होते जा रहे हैँ। यह लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक संकेत है।

पिछले पांच साल के चार जन आंदोलनों को याद कीजिए। 2018 में अनुसूचित जाति- जन जाति कानून को ढीला बनाने के मुद्दे पर दलित समुदाय के लोगों सड़कों पर उतरे और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। 2019 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ। 2020 में किसानों ने मोर्चा संभाला, जो साल भर चलता रहा। अब 2022 में सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ नौजवानों ने अपना गुस्सा सड़कों पर आकर उतारा है। इन सभी आंदोलनों में एक आम पहलू यह है कि इन्हें संयोजित, संचालित और उन्हें नेतृत्व देने में राजनीतिक दलों की कोई भूमिका नहीं रही।

विपक्ष दल तब सक्रिय हुए, जब आंदोलन भड़क चुका था। तब भी उन दलों की भूमिका आंदोलन को समर्थन देने और उसके बहाने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधने के अलावा और कुछ नहीं रही। लेकिन अपने-अपने कारणों से सड़क उतरने जन समूहों ने उसे ज्यादा तव्वजो नहीं दी। बल्कि किसान आंदोलन ने तो यह साफ नीति घोषित कर रखी थी कि उसके मंच पर किसी राजनेता को आने का मौका नहीं दिया जाएगा।

इस अनुभव के आधार पर यह साफ कहा जा सकता है कि जनता के रोजमर्रा के संघर्षों से राजनीतिक दलों का अब कोई नाता नहीं बचा है।

भारतीय जनता पार्टी का भी नहीं। इसलिए कि एससी-एसटी ऐक्ट संबंधित मामले को छोड़ कर ये तमाम आंदोलन उसकी सरकार के फैसलों के विरोध में ही हुए। इनमें कई ऐसे तबकों ने हिस्सा लिया, तो अभी भी इस पार्टी का वोट बैंक बने हुए हैँ। लेकिन वे उसे वोट इसलिए नहीं देते कि उन्हें भाजपा सरकार से अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में किसी बेहतरी की उम्मीद बची है। बल्कि उसकी वजह भावनात्मक- या कहें समाज में सुनियोजित ढंग से एक समुदाय विशेष के खिलाफ फैलाई गई द्वेष की भावना है। ये भावना उन मौकों पर पीछे छूट जाती है- जब संबंधित समुदाय को अपना भविष्य खतरे में दिखने लगता है। तो कुल सूरत यह है कि पक्ष हो या विपक्ष- जनता के रोजमर्रा के संघर्षों की कसौटी पर वे अप्रसांगिक होते जा रहे हैँ। यह लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक संकेत है।(आरएनएस)

आलिया भट्ट की फिटनेस पर फिदा भाग्य लक्ष्मी की एक्ट्रेस ऐश्वर्या

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट से प्रेरणा लेकर भाग्य लक्ष्मी की एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे ने योग के साथ-साथ मेडिटेशन करना शुरू कर दिया है।

ऐश्वर्या ने कहा, जब फिटनेस की बात आती है, तो मैं आलिया भट्ट की ओर देखती हूं, साथ ही साथ काम पर भी फोकस बनाए रखती हूं। जिस तरह से आलिया अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद योग के लिए समय निकालती हैं और स्क्रीन पर खूबसूरत दिखती हैं, वह वास्तव में प्रेरणादायक है।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि उनके जैसा कोई नहीं हो सकता है, लेकिन मैं स्क्रीन पर उनके जैसे ही फिट और ग्लैमरस दिखने की ख्वाहिश रखती हूं।

ऐश्वर्या खरे ने कहा, इसलिए, मैं उनसे प्रेरणा ले रही हूं और पिछले कुछ हफ्तों से योग और मेडिटेशन पर ध्यान दे रही है। मेरा मानना है कि योग और मेडिटेशन मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने में मदद करेंगे।

एक्ट्रेस ने कहा, योग और मेडिटेशन के बाद मैं तरोताजा और एक्टिव महसूस कर रही हूं। काश मैं किसी दिन आलिया की तरह अच्छी बन पाती, यह मेरे लिए एक सम्मान की बात होती।

ट्रक पलटने से एक की मौत

संवाददाता

अल्मोड़ा। ईटों का ट्रक पलटने से एक की मौत हो गयी। एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंच शव को बाहर निकाल पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रि एसडीआरएफ टीम को जिला नियंत्रण कक्ष अल्मोड़ा से सूचना मिली कि बाड़ेछीना अल्मोड़ा के पास एक ईटो से भरा ट्रक पलट गया है। जिसमे एक व्यक्ति के दबे होने की आशंका है। एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। उपरोक्त सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट सरियापानी से मुख्य आरक्षी रवि रावत के नेतृत्व में टीम मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल रवाना हुई। एसडीआरएफ टीम को घटनास्थल पर पहुंचने के उपरांत ज्ञात हुआ कि उक्त वाहन में 02 लोग सवार थे, जो हल्द्वानी से मुनस्यारी की ओर जा रहे थे। बाड़ेछीना के पास वाहन अनियंत्रित होकर एक मकान के ऊपर जा गिरा। जिसमे से ड्राइवर द्वारा छलांग लगाकर अपनी जान बचाई गई व दूसरे व्यक्ति की ट्रक के नीचे दबकर मृत्यु हो गई। एसडीआरएफ व एनडीआरएफ टीमों द्वारा संयुक्त ऑपरेशन चलाकर ट्रक के नीचे दबे व्यक्ति(नाम पंकज ध पोला उम्र 28 वर्ष निवासी बिलखेत बागेश्वर)के शव को क्रेन व जेसीबी की सहायता से बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।

निर्धन बच्चों को बांटे स्टेशनरी व खाद्य पदार्थ

नगर संवाददाता

देहरादून। महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था देहरादून द्वारा आज दीपाली फाउंडेशन बाल शिक्षा एवं किशोरी प्रशिक्षण केंद्र ब्राह्मण वाला स्थिति उनके केंद्र पर निर्धन बच्चो को स्टेशनरी,खाद्य पदार्थ वितरित किए गये साथ ही दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस मौके पर बच्चो ने शानदार संस्कृति प्रस्तुति दी, मंगल गीत गा कर स्वागत किया, दीपाली फाउंडेशन की प्रीति शुक्ला ने बताया कि यहां निर्धन कन्याओं को स्वाबलंबी बनाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण भी दिया जाता हैं। महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था ने उनको सिलाई किट ,कटिंग सीजर इत्यादि वितरित किये। महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था के अध्यक्ष अंकुर जैन ने बताया कि संस्था हर सामाजिक क्षेत्र में हर वर्ग को आगे लाने और उनकी मदद करने का कार्य करेगी। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक जेठी ने बताया कि 2019 से संस्था लगातार सामाजिक कार्य कर रही हैं और आगे गरीब निर्धनों को स्वरोजगार से जोड़ कर उनको आर्थिक रूप से सहायता के लिए प्रयास किये जायेंगे। आज के इस वितरण कार्यक्रम के संयोजक अनित बेरी व पुनीत मेहरा रहे इस कार्यक्रम में महाकाल के दीवाने संस्था के प्रचार प्रसार संयोजक नवेंदु चौहान,आलोक अग्रवाल,विनीत नागपाल, हर्ष सूरी,गौरव तोमर,ऋषभ माटा, मनी ढींगरा,तरुण कोहली सहित कई लोग मौजूद रहे।

मिठाई कारोबारी से 20 लाख की....

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

एक रेस्टोरेंट खोला था। रेस्टोरेंट खोलने के बाद उसपर काफी कर्ज हो गया था जिससे वह परेशान था। दीपक ने पुलिस को बताया कि कर्जा होने के कारण उसने प्लानिंग बनायी कि प्रणव गोयल के पास काफी पैसा है उससे रंगदारी मांगी जाये जिसके बाद उसने प्लान बनाकर प्रणव गोयल से बीस लाख रूपये की रंगदारी मांगी थी। उसने कांगडी श्यामपुर में मोबाइल की दुकान चलाने वाले मोहित कश्यप पुत्र राजवीर कश्यप की दुकान से एक मजदूर के नाम से सिम खरीदा था। दोनो ने मिलीभगत करके इस घटना को अंजाम देने की योजना बनायी थी। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसके साथी मोहित की तलाश शुरू कर दी।

कर्मचारी संगठन ने अपनी मांगों को लेकर महाप्रबंधक व सचिव से वार्ता की

संवाददाता

देहरादून आज उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संघ एवं उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा के मुख्य संयोजक रमेश बिंजोला के नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक उत्तराखंड जल संस्थान नेहरू कॉलोनी देहरादून से शिष्टाचार भेंट करते हुए श्रीमती नीलिमा गर्ग को मुख्य महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नति होने पर उनको बधाई दी गई तथा कर्मचारी संघ द्वारा आशा की गई कि वह विभागीय एवं कर्मचारी हित में कार्य करते रहेंगे।

मुख्य महाप्रबंधक द्वारा कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा को आश्वासन दिया गया कि कर्मचारियों की जो भी मुख्यालय स्तर पर मांगे लंबित होगी उस पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। तत्पश्चात सचिव प्रशासन उत्तराखंड जल संस्थान से कर्मचारी संगठन संयुक्त मोर्चा द्वारा वार्ता की गई जिसमें कर्मचारी संघ द्वारा महा जुलाई 2022 चयन वर्ष में सभी समवर्गों के रिक्त पदों पर पदोन्नति करने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ग्रेजुएटी का भुगतान आयुष्मान योजना का लाभ तथा समूह घ से ग में कर्मचारियों की पदोन्नति आदि बिंदुओं पर वार्ता की गई जिसमें सचिव प्रशासन द्वारा जुलाई 2022 में कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।

नदी के किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

संवाददाता

देहरादून। टौस नदी के किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव पडा मिला। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट कोतवाली पुलिस को एमईएस कर्मचारी परमानंद ने सूचना दी कि घटटीखोला गांव में टोंस नदी के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव पडा हुआ है। जिसे देखकर लगता है कि उक्त शव नदी में बहकर आया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया तथा आसपास उसका कोई पहचान पत्र भी पुलिस को नहीं मिला। शव की शिनाख्त ना होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एफआरआई से निकाले गये कर्मचारियों ने मांगी भीख

संवाददाता

देहरादून। एफआरआई से निकाले गये कर्मचारियों ने अपने धरने के 14वे दिन पण्डितवाडी बाजार में जाकर लोगों से भीख मांगी।

आज यहां अनिश्चितकालीन धरने के 14 वे दिन सभी आंदोलनकारियों ने एफ आर आई को बचाने के लिए पंडितवाडी के मुख्य मार्केट में सभी दुकानदारों से भीख मांगी आंदोलनकारियों ने रिपोर्टिंग चौकी पंडितवाडी में भी भीख मांगी। यदि शीघ्र अति शीघ्र प्रशासन ने इन सब निकाले गए संविदा कर्मचारियों का संज्ञान नहीं लिया फिर बहुत जल्दी सभी आंदोलनकारी गांधी पार्क के मुख्य गेट पर एफ आर आई को बचाने के लिए भीख मांगेंगे। भीख मांगने का सिलसिला तब तक जारी रहेगा जब तक. संस्थान आर्थिक तंगी से बाहर नहीं आता है और निकाले गए कर्मचारियों को नौकरी पर वापस नहीं लेता है।

युवाओं ने ली आम आदमी पार्टी की सदस्यता

संवाददाता

देहरादून। रायपुर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों युवाओ ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

आज यहां आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट की अगुवाई में रायपुर विधानसभा के दर्जनों युवाओं ने आम आदमी पार्टी की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। जोत सिंह बिष्ट ने सभी युवाओं का पार्टी में स्वागत करते हुए पार्टी की टोपी पहना कर सदस्यता ग्रहण करवाई। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की नीतियों का अनुसरण करते हुए कई युवाओं ने पार्टी का दामन थामा है यह बड़े ही हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी हर राज्य में धीरे-धीरे राष्ट्रीय पार्टी का आकार लेती जा रही है जो हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हम आम आदमी पार्टी की ताकत को बढ़ाते हुए ग्रासरूट पर ले जाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं ताकि पार्टी और ज्यादा मजबूत हो सके। आप पार्टी की सदस्यता लेने वालों में जतिन, यशपाल ,अर्सलान, हैरी ,विकास, सुभाष अंकित हैप्पी ,शुभम ,अंशुल ,दीपांशु, अभिषेक, अक्षय ,आदि कई लोगों ने पार्टी का दामन थामा और इस मौके पर पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष डिंपल सिंह भी मौजूद रही।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

कर्नाटक की सिनी शेट्टी बनी 'मिस इंडिया वर्ल्ड 2022'

नई दिल्ली । भारत को इस साल की अपनी मिस इंडिया वर्ल्ड मिल गई है। इस साल मिस इंडिया वर्ल्ड का ताज २१ साल की शिनी शेट्टी ने अपने नाम किया। जहां कर्नाटक की शिनी इस मुकाबले की विनर रहीं। वहीं राजस्थान की रूबल शेखावत फर्स्ट रनर अप रहीं , जबकि उत्तर प्रदेश की शिनाता चौहान ने सेकेंड रनरअप का खिताब अपने नाम किया। ३ जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में मिस इंडिया वर्ल्ड २०२२ का ग्रैंड फिनाले आयोजित हुआ था। हर बार की तरह इस बार भी मिस इंडिया वर्ल्ड की प्रतियोगिता काफी शानदार रहीं। शिनी शेट्टी २१ साल की हैं और उनका जन्म मुंबई में हुआ है लेकिन वह कर्नाटक की रहने वाली हैं। ब्यूटी विद ब्रेन शिनी के पास अकाउंटिंग और फाइनेंस में ग्रेजुएशन की डिग्री है और अब वह एक सीएफए कर रही हैं। इसके अलावा वह एक बेहतरीन भरतनाट्यम डांसर भी हैं। शिनी ने मिस इंडिया वर्ल्ड प्रतियोगिता में ३१ हसीनाओं को हराकर ताज अपने नाम किया। वहीं बात करें मिस इंडिया २०२२ फर्स्ट रनर अप रुबल शेखावत की तो वह राजस्थान के शाही राज्य की समृद्ध संस्कृति और विरासत से बिलॉन्ग करती हैं। रूबल का मानना है कि प्रोग्रेस विनिंग से ज्यादा जरूरी है। वह खुद को कॉन्फिडेंट कहती हैं। उन्हें डांस , ऐक्टिंग , पेंटिंग में इंट्रेस्ट है और बैडमिंटन खेलना भी पसंद है।

डेनमार्क के शॉपिंग मॉल में गोलीबारी, 3 लोगों की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

कोपेनहेगन । डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन स्थित सबसे बड़ शॉपिंग मॉल में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए है। पुलिस प्रमुख सोरेन थॉमसन ने बताया कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है उसके पास से राइफल और गोलाबारूद भी बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि इसे आतंकवादी कृत्य मानने से भी इंकार नहीं किया जा सकता। पुलिस का कहना है कि उनके पास ऐसे कोई संकेत नहीं है कि घटना में अन्य हमलावर भी शामिल थे। उन्होंने दुकान मालिकों से किसी भी वीडियो निगरानी फुटेज को सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस कठिन समय में उनके साथ एकजुट हैं।

सड़क हादसे में तीन की मौत, आठ घायल

बुलंदशहर (हसं)। खुर्जा थाना क्षेत्र में कल देर रात तेज रफ्तार मैक्स कार सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई। जिसमें 3 महिलाओं की मौत हो गई। जबकि 8 लोग घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 91 पर मधुसूदन डेयरी के पास हुआ है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कल देर रात एक मैक्स कार खुर्जा से बुलंदशहर की ओर जा रही थी। जिसमें चालक व परिचालक सहित 11 लोग सवार थे। सड़क खाली होने के चलते मैक्स की गति बहुत तेज थी। जिससे मैक्स चालक ने अपना नियंत्रण खो बैठा और अनियंत्रित मैक्स सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी भयानक थी कि मैक्स गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्होने मामले की सूचना पुलिस को दी। मैक्स वाहन में सवार कुछ लोग फंस गए थे जिन्हे पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला और अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचे घायलों में तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है वहीं 8 घायलों का इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक महिलाओ की पहचानं राजवती पत्नी थान सिंह निवासी राधानगर, मिथलेश पत्नी लाला निवासी रमपुरा व रमा पत्नी चंद्रपाल हाइडल कॉलोनी राधा नगर के रूप में की गयी है।

बस खाई में गिरी, 16 की मौत कई घायल

हमारे संवाददाता

हिमाचल। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में आज सुबह बस खाई में गिर जाने से जहां 16 लोगों की मौत हो गई है वहीं चार लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाकर मृतकों व घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों में बच्चे भी शामिल बताये जा रहे हैं।

कुल्लू जिले की सैंज घाटी के न्यूली शेंशर सड़क के जंगला नामक स्थान पर यह दर्दनाक बस हादसा हुआ है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत हुई है। जबकि चार घायलों को 108 एम्बुलेंस में सैंज सीएचसी भेजा गया है। बस में लगभग 45 यात्री बताये जा रहे है। जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग साढ़े आठ बजे यह हादसा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से घायलों को रेस्क्यू किया व मृतकों व घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए हैं।

बताया जा रहा है कि बरसात के चलते सड़क पर मलबा गिरा हुआ था। जिसके कारण ड्राइवर बस को साइड से निकाल रहा था। अचानक इस दौरान बस सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। खाई गहरी होने के कारण बस जब नीचे गिरी तो उसके परखच्चे उड़ गए। हिमाचल प्रदेश में हुए इस बड़े हादसे में लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है।

जिओ टॉवरों से बैटरियां चोरी होने का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। जिओ टावरों से बैटरियां चोरी होने का खुलासा करते हुए पुलिस व एसओजी ने तीन चोरों को चुरायी गयी 12 बैटरियां व वारदात में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है। चोरी का मास्टर माइंड पूर्व में जिओ कम्पनी के टावर इस्टालेशंन का काम कर चुका है।

एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय ने बताया कि जून और जुलाई माह में अलग अलग क्षेत्रों से अज्ञात चोरों द्वारा जिओ कम्पनी की 12 बैटरियां चोरी कर ली गयी थी। जिस सम्बन्ध में जिओ टेक्नीशियनों द्वारा अलग-अलग थानों में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिओ टावरों से बैटरियां चुराये जाने के मामले को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस टीमों के साथ इसके खुलासे हेतू एसओजी को भी लगाया गया। गठित टीमों के अथक प्रयास के बाद पुलिस व एसओजी ने आज सुबह पातली बगड़ सोमेश्वर से बैटरी चोरी का ताना-बाना बुनने वाले

❑चुरायी गयी बैटरियां व वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद

मास्टरमाइंड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है। पूछताछ में बैटरी चोरी के मास्टरमाइंड शिवम द्वारा बताया कि वह पहले जिओ कंपनी के टावर इंस्टॉलेशन का काम करता था, और इन टावरों बैटरी के बारे में उसे अच्छी जानकारी थी, रात्रि को लोगों के सो जाने के बाद वह और उसके साथी दलीप और उमेश गुप्ता चोरी की घटना को अंजाम दिया करते थे। जिनकी निशानदेही पर संयुक्त टीम द्वारा चुरायी गयी बैटरियों को एक खंडहर से बरामद किया गया है। बरामद बैटरियों की कीमत लगभग 7 लाख 20 हजार रूपये बतायी जा रही है।

वाहन चोर गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिले में वाहन दुपहिया वाहन चोरियों के बढ़ते मामलों को लेकर जब पुलिस ने वाहन चोरों की तलाश शुरू की तो उनके हाथ एक शातिर वाहन चोर लग गया। जिसके पास से पुलिस ने चुरायी गयी दो बाइक भी बरामद की है। आरोपी का एक साथी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार जिले में बढ़ती दुपहिया वाहन चोरियों के मद्देनजर पुलिस कप्तान डा. योगेन्द्र सिंह रावत द्वारा अपराधियों की धरपकड़ एवं वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। जिसके अनुपालन में थानाध्यक्ष पथरी द्वारा अलग अलग टीम गठित की गयी। पुलिस टीम द्वारा लगातार भ्रमणशील रहते हुए वाहन चोरों की पतारसी सुरागरसी की गई। इस दौरान बीते रोज पुलिस टीम को सूचना मिली कि आपके थाने का वांछित आरोपी ग्राम गाडोवाली में ईदगाह के पास मोटरसाइकिल पर बैठा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल दबिश देकर उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम मोहसीन पुत्र मोहब्बत निवासी गाडोवाली थाना पथरी हरिद्वार बताया। जो उसके पास से बरामद हुई बाइक के कागजात नहीं दिखा पाया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि मैंने और मेरे साथी मुराद पुत्र शहीद निवासी गाड़ोवाली ने यह मोटरसाइकिल कोतवाली मंगलौर से चोरी की थी। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया साथ ही उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चुरायी गयी एक और बाइक भी बरामद की है। वहीं फरार आरोपी मुराद पुत्र शहीद की तलाश जारी है।

नाबालिग लापता

देहरादून। नाबालिग के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी घर से बाजार तक गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नही चल सकता। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।